# रोहित गोदारा गैंग के तीन हार्डकोर गुर्गे महाराष्ट्र से गिरफ्तार

## महाराष्ट्र के नासिक जिले के भीड़भाड़ वाले स्थान से गिरफ्तार किए गए

**बीकानेर,** (निसं)। गैंगस्टर राजू ठेहट की हत्या के आरोपियों में शामिल गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग के तीन मुख्य इनामी व हार्डकोर गुर्गों को बीकानेर पुलिस ने महाराष्ट्र के नासिक जिले से गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को पुलिस टीम बीकानेर लाई है और इनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस साइबर सैल की आठ महीने की मेहनत के बाद ये तीनों हार्डकोर क्रिमिनल पुलिस गिरफ्त में आए हैं।

पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त कमल डेलू पुत्र जगदीश बिश्नोई निवासी काकड़ा, नोखा, श्रवण सींवर पुत्र शिवलाल बिश्नोई निवासी खींदासर, कोलायत और विजयपाल पुत्र जगदीश बिश्नोई निवासी जयसिंहदेसर मगरा पांचू के रहने वाले हैं। राजू ठेहट की हत्या के बाद उक्त अभियुक्त पुलिस से बचने के लिये बड़े शातिर तरीके से हाई तकनीक का इस्तेमाल करते थे।

तकनीकी सहयोग से छिप रहे वांछित अपराधियों को साइबर सैल ने लगातार आठ महीने तक मेहनत कर मुल्जिमों को ट्रेस आउट किया और गिरफ्तार किया है। लॉरेंस गैंग के सक्रिय सदस्य रोहित गोदारा के कहने पर कमल डेलू व श्रवण सिंवर ने प्रथम दृष्टया पूछताछ में राजू ठेहट प्रकरण में एके-47 जैसे हथियार सप्लाई करने की बात स्वीकार की है। तीनों अभियुक्तों पर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में दर्जनों प्रकरण दर्ज है।

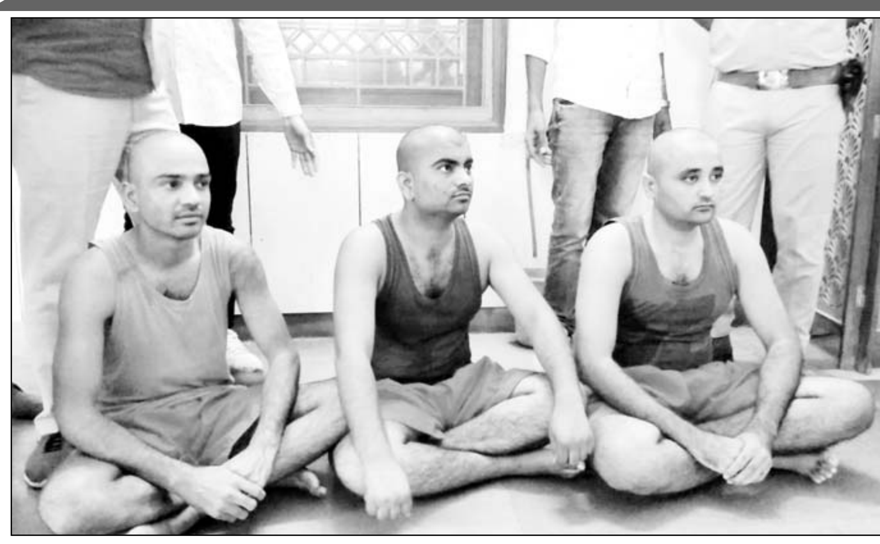

बीकानेर पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग के तीन मुख्य गुर्गों को गिरफ्तार किया।

- साइबर सैल की आठ महीने की मेहनत से पकड़े गए अपराधी
- तीनों आरोपियों को पुलिस टीम बीकानेर लाई है और इनसे पूछताछ कर रही है

मुल्जिम कमल डेलू, श्रवण सींवर व विजयपाल के दौराने पूछताछ में सामने आया है कि घटना करने के बाद फरारी के लिये अपना हुलिया व नाम बदलकर भारत व नेपाल में फरारी काटी, भारत में कर्नाटक, तमिलनाडू, दिल्ली, गोआ, पंजाब, पुणे, मुम्बई, नासिक, फलौदी, जोधपुर, बज्जू, रणजीतपुरा में हुलिया बदलकर रहे थे। काफी दिनों से नासिक में किराये के फ्लैटों में फरारी काट रहे थे। ये तीनों अपना हुलिया बदलकर बाल कटवाकर नाम बदलकर एक घर में रह रहे थे। पुलिस से बचने के लिये पूरे दिन घर में छिपे रहते थे। इन बदमाशों को पकड? के लिये पुलिस ने भी अपना हुलिया बदलकर उक्त कॉलोनी में एक-एक घर चिन्हित कर मुल्जिमों को पकड़ा है।

पुलिस टीम ने मेहनत व लग्न से कार्य करते हुये मुल्जिम कमल डेलू, श्रवण सींवर व विजयपाल के साथ वारदात मे सम्मिलित साथियों की सम्पूर्ण जानकारियां जुटाई। साइबर सैल ने मुल्जिमों कमल डेलू, श्रवण सींवर व विजयपाल को नासिक महाराष्ट्र में एक इनपुट ट्रेस किया। तीनों मुल्जिमों की लोकेशन का इनपुट नासिक जिले के भीड़भाड़ क्षेत्र में आई। पुलिस टीम ने बारिकी से लगातार चार दिन तक मेहनत करते हुये अलग-अलग हुलिया बनाकर क्षेत्र के एक-एक घर को तस्दीक किया। इस दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध घर को चिन्हित किया। चिन्हित घर के सामने निर्माणाधीन बिल्डिंग में मजदूरों का हुलिया बनाकर दो दिन तक चिन्हित घर पर नजर रखते हुये संदिग्ध गतिविधियां पुख्ता कर इस संदिग्ध घर पर नासिक पुलिस की मदद से दबिश दी गयी तो उक्त तीनों मुल्जिमों को दस्तयाब कर लिया गया।

ईनामी व हार्डकोर अपराधियों को ट्रेस आउट व गिरफ्तार करने के फलस्वरूप साइबर सैल के हैड कानिस्टेबल दीपक यादव, दिलीपसिंह हैड कानिस्टेबल व राजूराम गुर्जर कानिस्टेबल को विशेष पदोन्नति के प्रस्ताव और उक्त मुल्जिमों को ट्रेस आउट कर गिरफ्तार करने वाली टीम में शामिल नयाशहर थानाधिकारी वेदपाल, शहर कोतवाल संजयसिंह, श्रीराम कानिस्टेब साइबर सैल के डीजीपी डिस्क के लिए प्रस्ताव मुख्यालय भिजवाये जा रहे हैं।

# असंतुलित होकर पलटी बस, एक की मौत

## घायल 16 यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया

**पाली,** (नि.सं.)। पाली में बुधवार को एक निजी बस सामने से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप को बचाने के चक्कर में असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार एक वृद्ध की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। घायलों की चीख-पुकार से कोहराम मच गया। ग्रामीणों और उधर से गुजर रहे वाहन चालकों ने घायलों को बस से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। घायलों का पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर नमित मेहता सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी हॉस्पिटल पहुंचे।

हादसा बुधवार दोपहर करीब 12 बजे पाली जिले के गुड़ा एंदला थाना क्षेत्र के पंचों की प्याऊ और डेंडा गांव के बीच हुआ। पाली से चाणौद के लिए सुबह 11 बजे रामलीला मैदान से निजी बस रवाना हुई। डेंडा के निकट सामने से तेज गति से आ रही पिकअप को बचाने के चक्कर में असंतुलित होकर बस पलट गई। हादसे में बस में सवार साली गांव (गुड़ा एंदला) निवासी 60 साल के गुलाबनाथ जोगी की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए।

- पिकअप को बचाने के प्रयास में असंतुलित हुई बस

हादसे में पाली जिले के पादरला गांव (गुड़ा एंदला) निवासी 80 साल के नरसाराम पुत्र नारायण भाट, चाणौद निवासी 60 साल के जोराराम पुत्र धुलाराम मेघवाल, डेंडा निवासी 57 साल के बाबूलाल पुत्र गुलाबराम बंजारा, सांगवा गांव निवासी 70 साल की आसी बानो पत्नी अब्दुल खान मोयला, पाली के तिलक नगर निवासी 46 साल की भगवत कंवर पत्नी अशोक सिंह राजपूत, गिरादड़ा की ढाणी डेंडा निवासी 40 साल की देवी पत्नी जोगाराम सरगरा, , चाणौद निवासी 40 साल के भूपेन्द्र सिंह पुत्र भंवर सिंह राजपूत, डेंडा निवासी 10 साल का नरेश पुत्र दुर्गादास चाणौद निवासी 55 साल की फयीदा बानो पत्नी इंसाफ खान सिपाई, चाणौद निवासी 32 साल के ईदरीश पुत्र अशरद खान, चाणौद निवासी 45 साल की सरिता कंवर पत्नी लालसिंह राजपूत, बाला गांव निवासी 56 साल की सुमित्रा जांगिड़ पत्नी पन्नालाल जांगिड़, साला गांव निवासी 18 साल का दुर्गेश पुत्र मंगलाराम मेघवाल, चाणौद निवासी 21 साल की दुर्गेश कंवर पुत्री गणपतसिंह राजपूत, सुंदेलाव गांव निवासी 55 साल के शंभू सिंह पुत्र मोड सिंह राजपूत, कमला पत्नी वजाराम जोगी घायल हो गए।

# दस साल की बच्ची फंदे पर लटकी मिली

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। जिले के रायसिंहनगर इलाके के क्षेत्र में एक दस साल की बच्ची के फांसी के फंदे पर लटकने का मामला सामने आया है। परिजनों ने पड़ोस के एक युवक पर बच्ची से रेप करने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद बच्ची फंदे पर लटकी मिली। छोटी सी बच्ची के फंदे से लटकने पर कई सवाल खड़े हो गए है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। घटना के समय घर पर दस साल की बच्ची और उसका पांच साल का भाई अकेले थे। बच्ची का पिता किसी दुकान में नौकरी करता है। वह सुबह करीब नौ बजे दुकान चला गया था। मां और दादी के पास बच्ची थी। कुछ देर बाद बच्ची की मां और दादी खेत चले गए। इस दौरान बच्ची का भाई आस-पास खेलने लगा। पड़ोस के मकान में रहने वाली महिला ने बच्ची को अपने घर बुलाया। आरोप है कि वहां पर दो-तीन युवक थे। उनमे से एक युवक ने बच्ची के साथ रेप किया।

घटना के कुछ देर बाद जब बच्ची की मां और दादी खेत से लौटे तो बच्ची फंदे पर लटकी मिली। चिल्लाने की आवाज सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर सरकारी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। बच्ची का पोस्टमार्टम करवाया गया। एसएचओ महावीर स्वामी ने बताया कि परिजनों ने बच्ची के साथ पड़ोस के युवक के रेप करने और बच्ची के खुद फांसी लगाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

# 15 साल से फरार कुख्यात बदमाश महेंद्र बराला गिरफ्तार

## पांच थानों के 14 मामलों में आरोपी वारंटी चल रहा था

**श्रीमाधोपुर,** (निसं)। स्थानीय पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 साल से फरार वांछित कुख्यात अपराधी महेंद्र बराला को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पिछले कई सालों से अलग-अलग जगह पर नाम बदलकर फरारी काट रहा था।

- आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में 25 मामले दर्ज हैं
- आरोपी अलग-अलग जगह पर नाम बदलकर फरारी काट रहा था
- चालानी गार्ड को आरोपी चकमा देकर मौके से फरार हो गया था

पुलिस ने फरार अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

थानाधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़ ने बताया कि आरोपी महेंद्र बराला को नासिक (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार किया है जहां पर आरोपी महेंद्र बराला अपना नाम बदलकर मुकेश कुमार चौधरी के नाम से रह रहा था और वह नासिक में मार्बल टाइल्स का कार्य कर रहा था। बताया गया है कि आरोपी गोपाल फोगावट हत्याकांड में भी वांछित चल रहा था। राठौड़ ने बताया कि आरोपी जाजोद निवासी महेंद्र बराला जो कि 26 जुलाई 2008 को केंद्रीय कारागृह जयपुर से श्रीमाधोपुर कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था इसी दौरान चालानी गार्ड को आरोपी चकमा देकर मौके से फरार हो गया था।

स्थानीय पुलिस थाने में मामला दर्ज होने के बाद आरोपी की तलाश में एसओजी, डीएसटी व पुलिस की अन्य टीम द्वारा करीब 15 वर्ष से तलाश कर रही थी। आरोपी बराला पिछले 15 साल से लगातार 14 मामलों में वांछित चल रहा था आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य जिले के विभिन्न थानों में विभिन्न धाराओं में कुल 25 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने मामले में गहनता से कार्रवाई करते हुए थाना अधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़ के नेतृत्व में थाने के कांस्टेबल राजवीर सिंह ने अपनी अहम भूमिका निभाते हुए आरोपी को नासिक से पकड़ने में सफलता प्राप्त की। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़ के अलावा हेड कांस्टेबल जलेसिंह, रामस्वरूप, कांस्टेबल राजवीर सिंह, नर्बदा, विनोद कुमार व तेजपाल सिंह शामिल थे।

# बालेसर में जोरदार बारिश के बीच लोगों ने मंत्री राजनाथ सिंह की जनसभा को सुना

## मंत्री राजनाथ सिंह ने बालेसर की जनसभा में मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई

**जोधपुर,** (कासं)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को शाम जोधपुर पहुंचे। यहां पर भाजपा नेताओं सहित प्रसाशनिक अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। रक्षामंत्री को हवाई अड्डे से हेलिकॉप्टर से बालेसर जाना था, लेकिन बालेसर में बारिश होने के चलते वे हेलिकॉप्टर से नहीं जा पाए। शाम करीब सवा चार बजे कड़ी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से बालेसर के लिए रवाना हुए। बालेसर में चारभुजा मन्दिर के सामने राजकीय माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शाम करीब पांच बजे पहुंचे।

- सभा में जोधपुर सांसद केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, भाजपा नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित अनेक भाजपा नेताओं ने शिरकत की

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बालेसर में नौ साल के मोदी शासन की उपलब्धियों को लेकर जनसभा को संबोधित किया। रक्षा मंत्री को सुनने सभास्थल पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा है। जनसभा के लिए विशाल डॉम और विशाल मंच तैयार किया गया था। इस जनसभा को रक्षामंत्री के साथ ही भाजपा के कई प्रमुख नेताओं ने संबोधित किया। सभा के बीच में बालेसर में जोरदार बारिश चलती रही। लोगों ने कुर्सियों को छाते की ढाल बनाया और जनसभा को सुनते रहे। रक्षामंत्री ने मोदी सरकार के नौ साल की उपलब्धियों पर जानकारी दी और कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति की आलोचना की। स्थानीय नेताओं ने भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। सभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं जोधपुर सांसद केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विधान सभा में भाजपा नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित अनेक भाजपा नेताओं ने शिरकत की।

जनसभा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश स्तर के पदाधिकारी और नेता भी जनसभा में मौजूद रहे। भारत-पाक सीमा से सटे रेगिस्तानी इलाके में बालेसर की सभा को अहम माना गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लंबे अरसे के बाद इस क्षेत्र पूर्व सैनिकों के बीच आए हैं। इसको लेकर समूचे बालेसर शेरगढ़ सहित पूरे क्षेत्र में पूर्व सैनिकों और क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह रहा। सभा में जोधपुर संसदीय क्षेत्र की करीब 8 से 10 विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। सभा में भाजपा जोधपुर शहर जोधपुर देहात दक्षिण देहात उत्तर के पदाधिकारी मंडल मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि पार्षद इसमें शामिल रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जनसभा के दौरान उस वक्त हंगामा मच गया जब शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़ को भरी सभा के बीच मंच से बोलने से मना कर दिया गया। इतना ही नहीं उनके सामने से माइक तक छीन लिया। दरअसल संगठन की अनुमति के बिना पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़ बोलने के लिए मंच पर पहुंच गए। इसके बाद भाजपा नेता प्रताप सिंह ने माइक खींच लिया। इस पर जनता के शोर मचाने पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने स्थिति को संभाला और पूर्व विधायक को बोलने का मौका दिया।

# गजेन्द्र सिंह को जनता की पीड़ा से सहानुभूति नहीं : जितेन्द्र सिंह

**अलवर,** (निसं)। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा पूर्व राजस्थान नहर परियोजना के संदर्भ में दिया गया यह बयान जन भावना का अपमान है।

- पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर हमला बोला

उन्होंने कहा कि गजेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार बना दो 46 हजार करोड रुपए व ईआरसीपी दे दूंगा यह बयान स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि भारतीय जनता पार्टी को राजस्थान की जनता की पीड़ा से कोई सहानुभूति नहीं है। भाजपा केवल सता के कारण ही पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने के लिए कार्य कर रही है। इतना ही नहीं उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे-सीधे चैलेंज करते हुए कहा कि राजस्थान में अपनी सरकार बन जाए तो यहां ईआरसीपी का लाभ मिलेगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कई बार पत्र लिखकर यह पीएम मोदी से अलवर सहित 13 जिलों की प्यास बुझाई जाने वाली इस योजना से अवगत कराया है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान से निर्वाचित होकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री बनने के बावजूद आज तक भी इस महत्वकांक्षी परियोजना के लिए वह एक पैसा केंद्र सरकार से नहीं दिलवा सके यहां तक कि रेगिस्तानी राज्य होने के बावजूद जल जीवन मिशन में भी राजस्थान को कोई विशेष सहायता देने वालों में वह नाकाम रहे हैं। वह केवल राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का नाम ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान नहर परियोजना का कार्य केंद्र सहयोग करें या ना करें लेकिन जनता के हित में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का काम गहलोत सरकार की ओर से पूरा किया जाएगा।

# डूंगरपुर में एक घण्टे की बारिश ने शहर को तरबतर किया

**डूंगरपुर,** (निसं)। बिपरजॉय तूफान के बाद बुधवार को प्रात: तक तो जमकर तपन के कारण आम जन परेशान था, लेकिन अचानक लगभग दो बजे काले घने बादल उमड़ कर आये और हवा के साथ तेज बारिश का दौर इस कदर शुरू हुआ कि देखते ही देखते भीतरी एवं बाहरी शहर की गलियां पानी से लबालब हो गई। एक घण्टे की बारिश ने शहर को जमकर भीगोया।

- ओबरी में सर्वाधिक 60 व डूंगरपुर में 34 एम.एम. बारिश दर्ज
- पानी से तरबतर हुआ शहर का कोना-कोना

शहर में पानी में बहने से वाहनों को बचाने की जुगत करते क्षेत्रवासी।

जहां शहर के घाटी, सर्राफा बाजार, कानेरा पोल, पुरानी सब्जी मण्डी, भोईवाडा, मोची बाजार, धनलक्ष्मी मार्केट, सोनिया चौक, कंसारा चौक, पुराना हॉस्पीटल, नगर परिषद के पास की सड़कें घुटनो से उपर तक पानी बहने लगा और नीचले बाजार में तो पानी दुकानों की तलवटों को लांघकर उपर चढ़ गया। अचानक बारिश के तेज रूख ने आम जन को सकते में डाल दिया। जहां दुपहिया वाहनधारियों के वाहन बमुश्किल पानी के तेज बहाव में निकल रहे थे, तो वहीं कानेरा पोल व मोची बाजार में खडे वाहन पानी के बहाव के साथ खिंचने लगे जिसे बचाने की जुगत में लग गये।

मानसून की पहली बारिश का आनंद लेने के लिए युवाओ की टोलियां सडकों पर आ गई और जमकर आनंद लेने लगे। वहीं स्कूटी को पानी के तेज बहाव में बहने से रोकने के लिए रस्सी से बांधा गया। शहर के भोईवाडा मोहल्ले में पानी के तेज बहाव में एक सांप भी आया जो जैसे तैसे पानी बहने अपने आप को बचाते हुए सीढियों पर चढा। इधर बांध नियंत्रण कक्ष के अनुसार बुधवार दोपहर में हुई बारिश में डूंगरपुर 34, पाल देवल 26, दोवडा 32, बिछीवाडा 20, सागवाडा 23, वैजा 10, गामडी अहाडा 31, चिखली 7, वर्षा रिकोर्ड की गई।

# 40 साल में दूसरी बार जून में नंदसमंद बांध छलका

**राजसमंद,** (निसं)। बिपरजॉय के असर से राजसमंद में लगातार बारिश के बाद से बांधों का स्तर दिनोंदिन बढ़ता गया। गत दिनों हुई तेज बारिश से बाघेरी बांध छलक गया और ओवरफ्लो का पानी नंदसंमद (टांटोल बांध) में पहुंचने लगा था। इसके बाद प्री-मानसून की हुई बारिश में नंदसमंद बांध का भी जलस्तर बढ़ गया और लगातार जारी पानी की आवक के बाद छलक गया।

पिछले 40 साल में यह दूसरा अवसर है कि जून महिने में नंदसमंद बांध छलका है। उसके बाद नंदसमंद के 2.5-2.5 फीट के चार-चार गेट खोलकर पानी बनास नदी में छोड़ा गया। इधर, खारी फिडर क्षतिग्रस्त होने के कारण पहले उसे दुरस्त किया गया। जिसके बाद बुधवार सुबह नंदसमंद से खारी फीडर में पानी छोड़ा गया। फीडर का पानी 14 घंटे में करीब 32 किमी की दूरी तय कर शाम सात बजे के करीब पानी राजसमंद झील में शामिल हुआ। नंदसमंद से शुरुआत में पानी का गेज कम था लेकिन इसके बाद 4 फीट तक पानी छोड़ा गया। ये पानी दोपहर करीब 2 बजकर 20 मिनट पर सुंदरचा गांव पहुंचा। जहां ग्रामीणों ने श्रीफल व पुष्प चढ़ाकर स्वागत किया। खारी फीडर का बहाव जैसे-जैसे गांवों से गुजरात गया लोगों ने पूजा अर्चना कर खारी फीडर को नारियल भेंट किया। 32 फीट की भराव क्षमता का नंदसमंद बांध 26 जून को छलक गया था। इसके बाद बुधवार सुबह 5 बजे खारी फीडर में पानी छोड़ा गया।

खारी फीडर के डिप्टी गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने स्वागत किया।

जलदाय विभाग टांटोल के सहायक अभियंता गौरव यादव ने बताया कि सुबह 5 बजे खारी फीडर के गेट खोले गए। शाम 6:30 फीडर का पानी नेशनल हाईवे मोरचना स्थित पुलिया पार कर गया जो करीब आधा घंटे के अंतराल में झील पेटे में शामिल हो जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि बिपरजॉय के दौरान हुई बारिश के बाद से गोमती नदी अपने वेग पर बह रही है। तभी से झील का स्तर बढा हुआ है। गौरतलब है कि नंदसमंद बांध से खारी फीडर की कुल लम्बाई करीब 32.4 किमी है। यह 4 से 5 मीटर चौड़ी व 1.80 मीटर गहरी है। राजसमंद झील की कुल भराव क्षमता 3786 एमसीएफ्टी है ओर झील का कुल गेज 30 फीट है। वहीं प्री-मानसून को लेकर शुरू हुई बारिश का असर शहर सहित जिलेभर में देखने को मिल रहा है। बुधवार सुबह 11 बजे शहर में झमाझम बारिश हुई। देखते-देखते सडकों ने दरिया का रूप ले लिया और पानी पूर्ण वैग से बहता दिख।